वर्ष-11 | अंक- 08 | भोपाल, 13 अक्टूबर से 19 अक्टूबर 2025 तक | पृष्ठ-12 | RNI NO. MPHIN/2015/63623

साप्ताहिक
न्यूज क्राइम फाइल
ग्वालियर, भिंड, मुरैना, छतरपुर, सागर, विदिशा, रायसेन, सिवनी, जबलपुर, रीवा, सतना, होशंगाबाद, हरदा एवं इंदौर में प्रसारित।
मूल्य- 02 रूपये

प्रगति के क्षेत्र में महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश जोड़ीदार राज्य : मुख्यमंत्री मोहन

उदय प्रताप सिंह चौहान

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में उद्योगों की स्थापना के लिए व्यवस्थाओं को सरल बनाया गया है। प्रदेश में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के तहत इस वर्ष सम्पन्न ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट, भोपाल के दौरान 18 नई नीतियां लागू की गईं। सरलीकृत की गई व्यवस्थाओं के कारण मध्यप्रदेश में तेज गति से निवेश आ रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महाराष्ट्र के उद्यमियों से मध्यप्रदेश में निवेश का अनुरोध करते हुए कहा कि प्रगति के क्षेत्र में महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश जोड़ीदार राज्य हैं। अतीत के गौरवशाली पृष्ठ को देखें तो महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश का गहरा संबंध रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मुम्बई में इंटरएक्टिव सेशन ऑन इन्वेस्टमेंट ऑपर्च्युनिटीज इन पॉवर एंड रिन्यूएबल एनर्जी इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरिंग एंड वाइट गुड्स इन मध्यप्रदेश को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि व्यापारियों को नई पॉलिसियों का लाभ दिया जा रहा है। बिजनेस और निवेश को लेकर निरंतर सीसीआई की बैठकें आयोजित की जाती हैं। प्रदेश में संभागीय स्तर पर इंडस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित कर छोटे शहरों को इंडस्ट्री से जोड़ा गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि आज इस सत्र के माध्यम से रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में ?19,900 करोड़ रूपए से अधिक के निवेश एवं अन्य सभी सेक्टर्स में ?54,400 करोड़ रूपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इस प्रकार कुल 74,300 करोड़ रूपये से अधिक के निवेश प्राप्त हुए हैं। कार्यक्रम में सन फार्मा के अध्यक्ष श्री दिलीप सांघवी, सीआईआई के अध्यक्ष श्री नील सी. रहेजा, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी), ईसीजीसी श्री सृष्टिराज अम्बष्ठा, हिंडाल्को के प्रबंध निदेशक श्री सतीश पाई, हेत्तिच (।।द्वह्लह्लद्धष्द्ध) के प्रबंध निदेशक श्री आंद्रे एकहोल्ट, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य वित्तीय अधिकारी (एमडी एवं सीएफओ), आईपीसीए लैब श्री अजीत कुमार जैन और एफआईईओ के उपाध्यक्ष श्री रविकांत कपूर विशेष रूप से मौजूद थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शिवाजी महाराज और प्रदेश के सिंधिया, होल्कर, पवार इतिहास के उस दौर में भारतीय समाज के लिए महत्वपूर्ण भूमिका में रहे। उज्जैन में बाबा महाकाल की ध्वजा जिस शान से लहराती है, उसके अतीत में शिवाजी महाराज का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आशा व्यक्त की कि मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र के मध्य उद्योग और व्यापार के क्षेत्र में संबंध अधिक सशक्त होंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज मुंबई में इन्टरैक्टिव सेशन ऑन इन्वेस्टमेंट अर्पोच्यूमनिटीज इन मध्य प्रदेश कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। भारत की आर्थिक राजधानी में उद्योग जगत के दिग्गजों के साथ हमारा यह संवाद सत्र अत्यंत सकारात्मक और परिणामोन्मुखी रही। महाराष्ट्र की औद्योगिक विशेषज्ञता और मध्यप्रदेश की 'अनंत संभावनाएं' मिलकर देश की प्रगति को नई गति देंगे। हमारा लक्ष्य महाराष्ट्र के निवेशकों को मध्यप्रदेश की विकास यात्रा में एक रणनीतिक भागीदार के रूप में जोड़ना है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज के इस इंटरेक्टिव सत्र का मुख्य उद्देश्य था नर्मदापुरम जिले के मोहासा-बाबई में स्थित, भारत के पहले अत्याधुनिक %मैन्युफैक्चरिंग ज़ोन फॉर पावर एंड रिन्यूएबल एनर्जी इक्विपमेंट% के बहुप्रतीक्षित फेज़ 2 में निवेश आकर्षित करना। इस ज़ोन में भूमि आवंटन के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि निकट, 12 अक्टूबर 2025, है, जिससे निवेशकों को इस अवसर का लाभ उठाने के लिए एक स्पष्ट दिशा मिली। यह हमारी दूसरी मुंबई यात्रा है। विगत वर्ष, निवेशकों से चर्चा के दौरान हमें प्रदेश की नीतियों और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को लेकर कुछ महत्वपूर्ण सुझाव मिले थे। मुझे यह बताते हुए गर्व है कि हमने उन सुझावों पर गंभीरता से काम किया है और अपनी नई औद्योगिक नीतियों में उन्हें शामिल किया है। हमने अपनी %उद्योग और रोजगार वर्ष 2025% की प्रतिबद्धता और इस वर्ष लॉन्च की गई 18 नई, प्रगतिशील नीतियों को विस्तार से साझा किया। हमने न केवल जेनेरिक अवसर, बल्कि सेक्टर-स्पेसिफिक, रेडी-टू-इन्वेस्ट प्रोजेक्ट्स भी प्रस्तुत किए जिनमें नर्मदापुरम का पॉवर एंड रिन्यूएबल एनर्जी इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरिंग ज़ोन, टेक्सटाइल पार्क, आईटी पार्क्स, फ़ूड पार्क्स एवं मेडिकल डिवाइस पार्क प्रमुख हैं।

संवाद कार्यक्रम में मुंबई और आसपास के प्रमुख औद्योगिक केंद्रों से 400 से अधिक शीर्ष निवेशक, उद्योगपति और विभिन्न औद्योगिक संघों के प्रतिनिधि शामिल हुए। आयोजन के माध्यम से उन सेक्टरों पर ध्यान केंद्रित किया गया जो मध्यप्रदेश के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण हैं, जिनमें नवीकरणीय ऊर्जा, आईटी, व्हाइट गुड्स, खाद्य प्रसंस्करण, टेक्सटाइल, फार्मा, पर्यटन, फ़िल्म पर्यटन एवं लॉजिस्टिक्स आदि। कार्यक्रम में 2 राउंडटेबल मीटिंग का आयोजन किया गया। पहली डिप्लोमेट्स के साथ राउंड टेबल मीटिंग हुई, जिसमें विभिन्न देशों के राजनयिकों के साथ द्विपक्षीय व्यापार और विदेशी निवेश बढ़ाने के अवसरों पर चर्चा हुई। दूसरी नवीकरणीय ऊर्जा उपकरण निर्माताओं के साथ राउंड टेबल मीटिंग हुई, जिसमें नवीकरणीय ऊर्जा निर्माताओं को प्रदेश के नर्मदापुरम जिले में स्थित %मैन्युफैक्चरिंग ज़ोन फॉर पावर एंड रिन्यूएबल एनर्जी इक्विपमेंट% के फेज़ 2 में निवेश के लिए विशेष रूप से आमंत्रित किया गया। साथ ही पॉवर और रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में प्रदेश की अन्य विशेषताओं और संभावनाओं पर भी चर्चा की गई। कार्यक्रम में 20 से अधिक प्रमुख उद्योगपतियों और एसोसिएशन/ संस्थानों के साथ वन-टू-वन मीटिंग की गई। इन गहन चर्चाओं में, टेक्सटाइल, ऑटोमोबाईल, इलेक्ट्रानिक्स, नवकरणीय उर्जा एवं फार्मास्युटिकल्स एवं कॉस्मेटिक्स जैसे प्रतिष्ठित समूहों ने विशेष रुचि दिखाई। हमने उनकी निवेश योजनाओं को समझा और उन्हें प्रदेश में हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

निवेश प्रस्ताव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि इस सत्र के माध्यम से रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में 19,900 करोड़ रूपए से अधिक के निवेश एवं अन्य सभी सेक्टर्स में 54,400 करोड़ रूपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इस प्रकार कुल 74,300 करोड़ रूपये से अधिक के निवेश एवं जिनके माध्यम से लगभग 7000 से अधिक रोजगार सृजित होंने की संभावना है। इन प्रस्तावों को धरातल पर उतारने हेतु हम हरसंभव प्रयास करेंगे, ताकि प्रदेश में पूंजी निवेश बढ़े और हमारे युवाओं के लिए नए रोजगार के अवसर सृजित हों। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मुंबई, सपनों का शहर है जो अपनी ऊर्जा और उद्यमशीलता के लिए जाना जाता है। आज मध्यप्रदेश की विकास आकांक्षाओं का साक्षी बन रहा है। यह संवाद केवल व्यापार का नहीं, बल्कि महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश के बीच एक नई, अटूट औद्योगिक साझेदारी की शुरुआत है। हमें मुंबई के निवेशकों से जो उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली है, वह हमारी उम्मीदों से बढ़कर है। कई प्रमुख औद्योगिक घरानों ने मध्यप्रदेश में निवेश करने में गहरी रुचि दिखाई, जो हमारी नीतियों पर उनके विश्वास का प्रमाण है। आज का निवेशक केवल ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और कॉस्ट ऑफ डूइंग बिजनेस ही नहीं देखता, वह स्पीड ऑफ डूइंग बिजनेस भी चाहता है। मुझे यह कहते हुए गर्व है कि मध्यप्रदेश सभी पैमानों पर खरा उतर रहा है। हमारा लक्ष्य है कि मध्यप्रदेश में निवेश का हर निर्णय और उसका क्रियान्वयन इतनी तेजी से हो कि यह देश के लिए एक नया बेंचमार्क बने। जिस तरह मुंबई की लोकल ट्रेनें इस शहर की लाइफलाइन हैं, हम चाहते हैं कि हमारी निवेशक-हितैषी नीतियां आपके व्यापार के लिए ग्रोथ की लाइफलाइन बनें।

भगवान निमी जी महाराज का जीवन अहिंसा, करुणा और संयम का अद्भुत प्रतीक है।आज रहली नगर की सकल नेमा समाज द्वारा आयोजित श्री श्री 1008 निमी जी महाराज जन्म महोत्सव में धर्म गुरु के रूप में सम्मिलित होकर पूजन एवं समाजजनों को आशीर्वचन दिए।

गोपाल भार्गव -विधायक रहली, पूर्व मंत्री

श्रीकृष्ण गुरुकुल शिक्षा यात्रा ज्ञान-संस्कार और भक्ति का अद्भुत संगम

भगवान श्रीकृष्ण की स्मृतियों को संजोने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे : मुख्यमंत्री

न्यूज क्राइम फाइल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने श्रीकृष्ण गुरूकुल शिक्षा यात्रा में शामिल सभी संतों, तीर्थ पुरोहित महासंघ, धर्म यात्रा महासंघ और विश्व हिंदू परिषद का अभिनंदन करते हुए कहा कि आज उज्जैन एक अद्भुत क्षण का साक्षी बन रहा है। यात्रा में सम्मिलित सभी सहभागी उस मार्ग पर चलकर आए हैं, जिस पर हमारे आराध्य श्रीकृष्ण शिक्षा ग्रहण करने के लिए मथुरा से उज्जैन स्थित आचार्य सांदीपनी के आश्रम पधारे थे। संतगण को उस पावन मार्ग से गुजरने का अवसर मिला, जहां श्रीकृष्ण की चरणरज पड़ी थी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मथुरा से आरंभ श्रीकृष्ण गुरूकुल शिक्षा यात्रा के उज्जैन में आयोजित समापन समारोह को भोपाल स्थित मुख्यमंत्री निवास से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। उल्लेखनीय है कि मथुरा से 5 अक्टूबर को आरंभ हुई यात्रा जयपुर, कोटा, झालावाड़ और आगरा होते हुए उज्जैन पहुंची थी। उज्जैन के समापन कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद श्री उमेशनाथ महाराज, विश्व हिन्दू परिषद के केन्द्रीय मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह, तीर्थ पुरोहित महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रयागनाथ चतुर्वेदी उपस्थित रहे।

दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश में बनेंगे वृंदावन गांव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि श्रीकृष्ण गुरूकुल शिक्षा यात्रा ज्ञान, संस्कार और भक्ति का अद्भुत संगम है। यह यात्रा नई पीढ़ी में नैतिकता, आत्मविकास और भारतीय संस्कृति का दीप प्रज्जवलित करने का प्रयास है। राज्य सरकार भगवान श्रीकृष्ण की स्मृतियों को संजोने का कार्य कर रही है। श्रीकृष्ण की शिक्षा स्थली उज्जैन, श्रीकृष्ण और सुदामा का मैत्री स्थल ग्राम नारायणा, रूक्मिणी वरण के स्थल धार जिले के अमझेरा और विनम्रता का संदेश देने वाले स्थल जानापाव (इंदौर) को तीर्थ के रूप में विकसित किया जाएगा। श्रीकृष्ण पाथेय के मार्ग पर आने वाले वन, जल संरचनाओं और उद्यानों का भी संरक्षण किया जाएगा। प्रदेश में दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए वृंदावन गांव बनाने का निर्णय लिया गया है। राज्य में गीता जयंती भी मनाई जाएगी।

हमारी संस्कृति हमें समाज और सृष्टि के कल्याण के लिए जीना सिखाती है

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सांदीपनी आश्रम गुरू-शिष्य परम्परा की अनादि महिमा का साक्षात प्रतीक है। जहां हर कण में श्रीकृष्ण की विनम्रता, बलराम की शक्ति और सुदामा की भक्ति समाई हुई है। हमारे गुरूकुल आदि काल से भारतीय ज्ञान परम्परा का अभिन्न अंग हैं। सांदीपनी आश्रम में भगवान श्रीकृष्ण ने शिक्षा पाई और संसार को गीता का उपदेश देकर योगीराज बने। हमारी सनातन संस्कृति का परम ज्ञान परमार्थ है। हमारी संस्कृति हमें समाज और सृष्टि के कल्याण के लिए जीना सिखाती है। भगवान श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत उठाकर ग्रामवासियों की रक्षा की और कुरुक्षेत्र में अर्जुन को गीता के माध्यम से धर्म और कर्तव्य का मार्ग दिखाया। उनका सारा जीवन समाज और धर्म की रक्षा के लिए था।

सिंहस्थ-2028 का आयोजन अद्वितीय वैभव के साथ होगा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन में वेद-वेदान्त विश्वविद्यालय की स्थापना की जाएगी। अमझेरा में चित्रकला, मूर्तिकला और पारम्परिक नृत्य-संगीत कला की शिक्षा दी जाएगी तथा इसे श्रीकृष्ण-रूक्मणी लोक के नाम से जाना जाएगा। जानापाव में सुदर्शन लोक की स्थापना की जाएगी, जहां आयुध कौशल के साथ-साथ पारम्परिक और आधुनिक युद्ध शैली का ज्ञान दिया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा ?कि सिंहस्थ-2028 का आयोजन अद्वितीय वैभव के साथ किया जाएगा। राज्य सरकार प्रदेश में सनातन संस्कृति के प्रचार-प्रसार में कोई कमी नहीं रहने देगी। उन्होंने प्रदेशवासियों से भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षा परम्परा को जीवन में आत्मसात करने का आव्हान भी किया। उज्जैन में आयोजित समापन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में संतगण की उपस्थित रही। इनमें महामण्डलेश्वर श्री शांतिस्वरूपानंद जी सरस्वती, महामण्डलेश्वर श्री आचार्य शेखर जी, महामण्डलेश्वर श्री शैलेषानंद जी गिरी, जूना अखाड़ा, महामण्डलेश्वर श्री ज्ञानदास जी महाराज निर्मोही अखाड़ा, महामण्डलेश्वर श्री भागवतानंद गिरी जी, अंवतिका पीठाधीश्वर, श्री रंगानाथाचार्य जी महाराज, महामण्डलेश्वर श्री मनीष महाराज ददुवा आश्रम तथा तिरूपतिधाम युवराज राघवेन्द्र जी प्रमुख है।

कैडर इयर अलॉट, नारायण, बुंदेला होंगे 2018 बैच के आईएएस

न्यूज क्राइम फाइल

राज्य प्रशासनिक सेवा से भारतीय प्रशासनिक सेवा में प्रमोट हुए 16 अफसरों को केंद्रीय कार्मिक और प्रशिक्षण मंत्रालय (डीओपीटी) ने कैडर इयर अलॉट कर दिया है। एक माह पहले डीओपीटी द्वारा किए गए नोटिफिकेशन में इन्हें आईएएस अवार्ड किया गया था। वर्ष 2023 और 2024 की डीपीसी के बाद आईएएस बने अफसरों को 2018 से 2020 तक के कैडर इयर अलॉट किए गए हैं। नारायण प्रसाद नामदेव और कैलाश बुंदेला को सात साल की सीनियरिटी का लाभ मिला है और दोनों ही अधिकारी 2018 बैच के आईएएस माने जाएंगे। वहीं दस प्रमोटी आईएएस अफसरों को 2019 और चार अफसरों को 2020 बैच का आईएएस अफसर घोषित किया गया है। उधर, एमपी को सीधी भर्ती के दो नए आईएएस अफसर भी मिले हैं।

सीनियरिटी में आठ साल का लाभ मिला

नारायण प्रसाद नामदेव का सिलेक्शन 2023 बैच के आईएएस अफसर के रूप में हुआ है और विभागीय जांच खत्म होने के बाद आईएएस बनाए गए नामदेव को सीनियरिटी में आठ साल का लाभ मिला है, जिसके चलते वे 2015 बैच के आईएएस के लिए इंटाइटल्ड हैं, लेकिन आईएएस रेगुलेशन ऑफ सीनियरिटी रूल्स 1987 में हुए संशोधन के आधार पर उन्हें 2018 बैच अलॉट किया है और उनका नाम 2022 में आईएएस बनाई गई अर्चना सोलंकी के नाम के नीचे रखा गया है। इस आधार पर नारायण नामदेव अब 2018 बैच के आईएएस अफसर होंगे। इसी तरह कैलाश बुंदेला को भी 2018 बैच अलॉट किया है। ये दोनों ही अधिकारी सीनियरिटी में 2019 बैच के सीधी भर्ती के सीनियर आईएएस अधिकारी श्रेयस कुमट से सीनियर होंगे। 2023 बैच में आईएएस के लिए सिलेक्ट हुए राज्य प्रशासनिक सेवा के अफसरों नंदा भलावे कुशरे, अनिल कुमार डामोर, सविता झानिया, सारिका भूरिया, कमल सोलंकी और जितेंद्र सिंह चौहान को 2019 का वर्ष अलॉट किया है। इन सभी प्रमोटी अफसरों का नाम आईएएस 2019 बैच के सीधी भर्ती के जूनियर आईएएस अफसर नागार्जुन बी गौड़ा के नाम के नीचे और 2020 बैच के सीधी भर्ती के सीनियर आईएएस अफसर हिमांशु जैन के नाम के ऊपर होगा। राज्य प्रशासनिक सेवा में नियुक्ति के आधार पर इन अफसरों को चार से सात साल की सीनियरिटी का वेटेज मिला है। डीओपीटी द्वारा जारी नोटिफिकेशन के अनुसार वर्ष 2024 के लिए हुई डीपीसी में आईएएस बनाए गए ।

साप्ताहिक
न्यूज क्राइम फाइल
भोपाल, 13 अक्टूबर से 19 अक्टूबर 2025

जन-जन के विकास, रोजगार,
सुरक्षा और स्वावलंबन हेतु प्रतिबद्ध डबल इंजन सरकार...
योगी आदित्यनाथ- मुख्यमंत्री उत्तरप्रदेश

पुलिसकर्मियों ने डंडे से पीटा, डीएसपी के साले की मौत

सड़क पर कपड़े उतारकर मारा, खड़ा करके लात-घूंसे मारे, सीसीटीवी का छात्र था; बर्बरता सीसीटीवी में रिकॉर्ड

उदित कुमार, मृतक

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल के पिपलानी थाना क्षेत्र में छस्कके साले की मौत का मामला सामने आया है। आरोप है कि देर रात पार्टी के दौरान पुलिस ने युवक उदित की पिटाई की थी। इसका सीसीटीवी भी सामने आया है, घटना के बाद बेहोश हुए उदित को उसके दोस्तों ने एम्स अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस का कहना है कि युवक को घबराहट के चलते अटैक आया था। मामले में दो आरक्षकों संतोष बामनिया और सौरभ आर्य को निलंबित किया गया है। घटना के बाद एम्स अस्पताल में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। जोन 2 डीसीपी विवेक सिंह ने बताया कि पांच डॉक्टर की पैनल ने पोस्टमॉर्टम कर रही है। पीएम की वीडियोग्राफी कराई जा रही है। हत्या का केस दर्ज करने की तैयारी है। पुलिस के मुताबिक, पिपलानी निवासी उदित पुत्र राजकुमार गायकी वीआईटी कॉलेज में बीटेक फाइनल ईयर का छात्र था। उसके पिता एमसीबी कर्मी और मां टीचर हैं। उसके बहनोई डीएसपी हैं और फिलहाल बालाघाट में पदस्थ हैं। उदित दोस्तों के साथ सी सेक्टर इंद्रपुरी में रात करीब ढाई बजे डांस कर हो हल्ला कर रहा था। इसी दौरान पुलिस टीम ने उदित और उसके दोस्तों को पकड़कर मारपीट की और थाने ले आए। परिजन का आरोप है कि उसके साथ थाने में भी मारपीट की गई, जिससे उसकी हालत बिगड़ गई, जिसके बाद पुलिस उसे एम्स अस्पताल ले गई। उधर, पुलिस का कहना है कि उसे थाने नहीं लाया गया था। बता दें, पहले यह जानकारी समाने आई थी कि उदित के पिता गायत्री हॉस्पिटल के डायरेक्टर हैं। फिर बताया गया कि उसके रिश्तेदार डॉ. जीआर अडलक गायत्री हॉस्पिटल के डायरेक्टर हैं।

दोस्त बोला- पुलिसकर्मियों ने 10 हजार मांगे

उदित के दोस्त अक्षत गार्गव ने बताया, हम छह लोग साथ थे - मैं, दीपेश, ईशान तिवारी, ऋषभ, आदित्य और उदित। रात करीब 11 बजे उदित का मुझे फोन आया। उसने कहा कि चलो पार्टी करते हैं। तब मैं अवधपुरी में था। उदित ने मुझे इंद्रपुरी बुलाया, तो मैं वहां पहुंच गया। हम सब लोग मिलकर पार्टी कर रहे थे। कुछ देर बाद मैं उदित को छोड़ने जा रहा था। जैसे ही मैंने कार में चाबी लगाई, एक पुलिसकर्मी आ गया। उदित घबराया और अंधेरी गली की तरफ भागा। दो पुलिसवाले उसके पीछे दौड़े और उसे पकड़ लिया। थोड़ी ही देर में वहां से मारपीट की आवाजें आने लगीं। जब हमने देखा तो उदित की शर्ट निकली हुई थी और उसके शरीर पर निशान पड़े हुए थे, खासकर सिर पर। यह घटना करीब रात डेढ़ बजे की होगी। दो दोस्त पुलिसवालों से बात करने की कोशिश कर रहे थे, मैंने उदित को कार में बिठाया। पुलिसकर्मियों ने दोस्तों से 10 हजार रुपए की मांग की। तब उदित मेरे साथ कार में था, उसने सिर्फ इतना कहा कि एसी चला दे और पानी दे दे। उसने दर्द होने की कोई बात नहीं की। रास्ते में उसने दो-तीन बार उल्टियां कीं। इसके बाद हम चौकी पहुंचे, यहां पहचान के पुलिसवाले थे। उन्हें सबकुछ बताया। तभी दीपेश ने उदित का हाथ पकड़ा तो उसका हाथ लटक गया। हमने पल्स चेक की तो नहीं मिली। तुरंत पास के अस्पताल ले गए। यहां डॉक्टरों ने कहा कि केवर 1त्न चांस है, एम्स ले जाओ। एम्स ले गए, यहां डॉक्टरों ने कहा कि उसकी मौत हो गई है।

तीन दिन पहले बेंगलुरु से भोपाल आया था

उदित ने वीआईटी आष्टा से बीटेक की पढ़ाई की थी। उदित के पिता राजकुमार गायकी, एमसीबी सूखी सेवनिया में इंजीनियर के रूप में कार्यरत हैं। उदित पिछले तीन महीनों से नौकरी की तलाश कर रहा था, जिसके चलते वह बेंगलुरु में रह रहा था। तीन दिन पहले ही वह भोपाल अपने कॉलेज के कुछ दस्तावेज लेने आया था।

पिपलानी थाने में अतिरिक्त फोर्स तैनात

अस्पताल परिसर में तनाव की स्थिति को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। पिपलानी थाने में भी अतिरिक्त फोर्स की तैनाती की गई है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर मौजूद हैं और पूरे मामले की जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा। परिजन के बयान दर्ज किए जा रहे हैं और मामले की जांच सीएसपी स्तर के अधिकारी कर रहे हैं।

करीब 35 लाख रुपए कैश...3 करोड़ का सोना मिला

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल में लोकायुक्त पुलिस ने गुरुवार को लोक निर्माण विभाग के पूर्व चीफ इंजीनियर गोविंद प्रसाद (जी.पी.) मेहरा के भोपाल स्थित आवास समेत 4 ठिकानों पर छापा मारा। यह कार्रवाई भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच के तहत की गई। छापे के दौरान मणिपुरम कॉलोनी के निवास से लगभग 8.79 लाख नकद, 50 लाख के सोने-चांदी के आभूषण, 56 लाख की फिक्स डिपॉजिट जानकारी और अन्य कीमती दस्तावेज मिले। ओपल रेजेंसी (दाना पानी, भोपाल) स्थित फ्लैट से 26 लाख नकद, लगभग 2.649 किलोग्राम सोना (अनुमानित कीमत 3.05 करोड़) और 5.523 किलो चांदी (कीमत 5.93 लाख) बरामद हुई। गुरुवार सुबह 6 बजे से कार्रवाई शुरू हुई। लोकायुक्त की टीम अब भी मेहरा से जुड़ी संपत्तियों, एफडी, शेयर और इंश्योरेंस दस्तावेजों की जांच कर रही है।

फार्महाउस से 17 टन शहद और लग्जरी वाहन

ग्राम सैनी (सोहागपुर) स्थित फार्महाउस से लोकायुक्त टीम को 17 टन शहद, कृषि भूमि, 6 ट्रैक्टर, 32 निर्माणाधीन कॉटेज, 7 तैयार कॉटेज, 2 मछली पालन केंद्र, 2 गौशालाएं और कई महंगे कृषि उपकरण मिले। मेहरा परिवार के नाम पर 4 लग्जरी कारें (फोर्ड एंडेवर, स्कोडा सलाविया, किया सोनेट और मारुति सियाज) रजिस्टर्ड पाई गईं।

भ्रष्टाचार अधिनियम के तहत मामला दर्ज

लोकायुक्त एसपी दुर्गेश राठौर ने बताया कि जी.पी. मेहरा ने अपने और परिजनों के नाम पर भोपाल, नर्मदापुरम और सोहागपुर में कई करोड़ रुपए की नामी व बेनामी संपत्तियां खरीदी हैं। सत्यापन के बाद प्रथम दृष्टया आरोप सही पाए जाने पर उनके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधित 2018) की धारा 13(2) सहपठित 13(1)(बी) के तहत केस दर्ज किया है।

जिस डिजिटल इंडिया का कभी विपक्ष मजाक उड़ाता था, आज वही डिजिटल इंडिया दुनिया को चौंका रहा है।
हेमंत खंडेलवाल, प्रदेश अध्यक्ष-भाजपा मप्र, विधायक- बैतूल

आलेख

मोदी ने माहौल ही बदल डाला, अब ब्रिटेन जैसी आर्थिक ताकतें भारत से मदद माँग रही हैं

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीयर स्टार्मर का दो दिवसीय भारत दौरा ऐसे समय पर शुरू हुआ है जब वैश्विक आर्थिक और सामरिक संतुलन नई परिभाषाएँ गढ़ रहा है। मुंबई पहुँचे स्टार्मर अपने साथ 125 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल लेकर आए हैं जिनमें प्रमुख उद्योगपतियों, वित्तीय संस्थानों, विश्वविद्यालयों और उद्योग संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हैं। यह यात्रा केवल औपचारिक नहीं, बल्कि व्यापार और निवेश को नई दिशा देने का प्रयास भी है। यह दौरा उस व्यापक आर्थिक परिदृश्य में घटित हो रहा है जिसमें अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियाँ फिर से संरक्षणवाद की ओर लौटती प्रतीत हो रही हैं। भारत पर बढ़ते अमेरिकी टैरिफ, तकनीकी निर्यात पर नियंत्रण और वीज़ा शुल्क में वृद्धि जैसी नीतियाँ भारतीय निर्यात और सेवा क्षेत्र पर दबाव बना रही हैं। ऐसे में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री की यह यात्रा भारत के लिए एक संभावित राहत संकेत के रूप में देखी जा सकती है— विशेषत: तब, जब भारत-ब्रिटेन के बीच हुआ व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (छ्ह्स्र्ञ्र) अब नीति के धरातल से क्रियान्वयन की दिशा में बढ़ रहा है। हम आपको बता दें कि भारत और ब्रिटेन के बीच जुलाई में संपन्न व्यापार समझौता 'विज़न 2035' की परिकल्पना पर आधारित है, जो अगले दशक में शिक्षा, प्रौद्योगिकी, जलवायु, रक्षा और जनसंपर्क के क्षेत्रों में सहयोग को गहरा करने का लक्ष्य रखता है। इस समझौते के अंतर्गत ब्रिटेन ने अपने बाज़ार में 99 प्रतिशत उत्पादों पर टैरिफ समाप्त करने की घोषणा की है। हालांकि इसका प्रत्यक्ष लाभ भारतीय निर्यात के लगभग 45 प्रतिशत हिस्से यानि कपड़ा, चमड़ा, समुद्री उत्पाद, वाहन आदि तक सीमित रहेगा, फिर भी यह भारतीय निर्यातकों के लिए एक बड़ा प्रोत्साहन है। ब्रिटेन के लिए भी यह सौदा महत्वपूर्ण है। विशेषकर स्कॉटलैंड के व्हिस्की उद्योग के लिए टैरिफ 150 प्रतिशत से घटाकर 75 प्रतिशत और अगले दस वर्षों में 40 प्रतिशत तक लाना एक

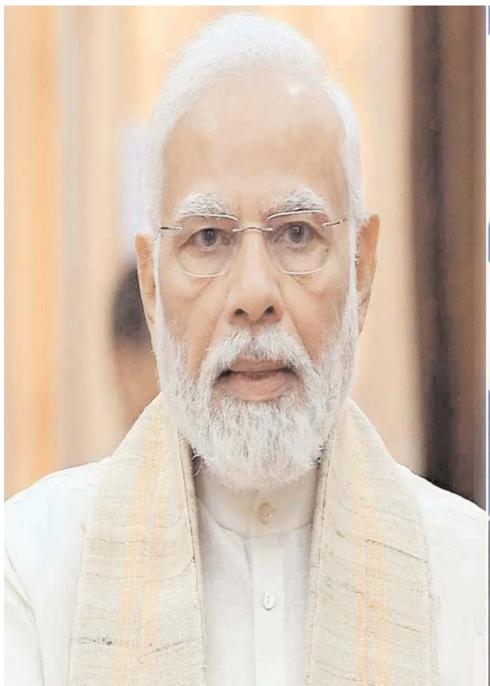

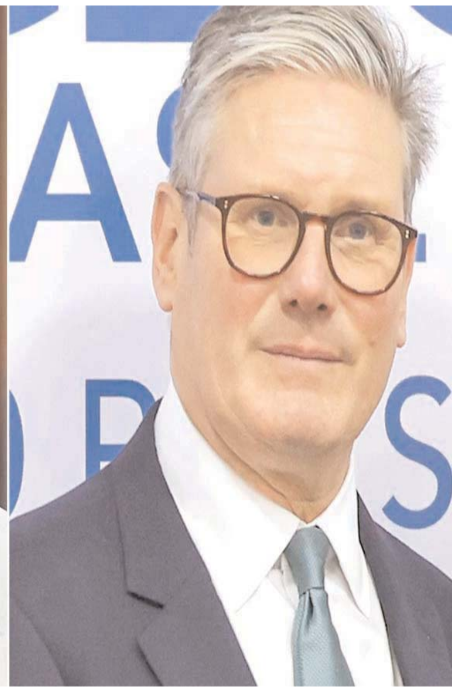

ऐतिहासिक कदम है। यह कदम ब्रिटेन की घरेलू अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने और यूरोपीय संघ से अलग होने के बाद वैश्विक व्यापार में नई साझेदारियों की खोज की उसकी रणनीति का हिस्सा है। हालाँकि यह समझौता अभी ब्रिटिश संसद की प्रक्रिया में है और 2026 की शुरुआत से पहले लागू नहीं हो पाएगा, फिर भी यह दोनों देशों के व्यापारिक रिश्तों में स्थायित्व और दीर्घकालिकता का संकेत देता है। उल्लेखनीय है कि दोनों देशों के बीच वर्तमान द्विपक्षीय व्यापार लगभग 59 अरब डॉलर का है, और अनुमान है कि अगले पाँच वर्षों में यह दुगना हो सकता है। देखा जाये तो अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों— विशेषकर इस्पात, औद्योगिक पुर्जों और औषधीय निर्यात पर बढ़ाए गए टैरिफ से भारतीय निर्यातकों की प्रतिस्पर्धात्मकता प्रभावित हुई है। ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार समझौता भारत को न केवल एक वैकल्पिक बाज़ार प्रदान करेगा, बल्कि यूरोप में अपनी उपस्थिति को सशक्त करने का अवसर भी देगा। इसके अतिरिक्त, ब्रिटेन की वित्तीय संस्थाओं— जैसे स्टैंडर्ड चार्टर्ड, बार्कलेज, एचएसबीसी और रोल्स रॉयस जैसी कंपनियों के प्रतिनिधियों का इस यात्रा में शामिल होना इस बात का संकेत है कि ब्रिटेन भारत में दीर्घकालिक निवेश को लेकर गंभीर है। मुंबई में आयोजित ग्लोबल फिनटेक फेस्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कीयर स्टार्मर की संयुक्त उपस्थिति दोनों देशों की डिजिटल और तकनीकी साझेदारी को नया आयाम देगी। हम आपको याद दिला दें कि भारत-ब्रिटेन संबंधों में पिछले कुछ वर्षों में एक संवेदनशील मोड़ आया था, विशेषकर जब ब्रिटिश लेबर पार्टी ने कश्मीर मुद्दे पर भारत विरोधी रुख अपनाया था। मगर स्टार्मर के नेतृत्व में लेबर पार्टी ने उस रुख को संशोधित करते हुए भारत के साथ 'विश्वसनीय साझेदारी' पर बल दिया है। 'विज़न 2035' इसी राजनीतिक पुनर्संतुलन का परिणाम है।

सुरक्षा दृष्टि से भी ब्रिटेन के प्रधानमंत्री की भारत यात्रा महत्वपूर्ण है। लंदन में सक्रिय खालिस्तानी समूहों से भारत की सुरक्षा एजेंसियों को जो चुनौतियाँ मिलती रही हैं, उन्हें लेकर दोनों देशों के बीच आपसी समझ बढ़ाने की आवश्यकता है। ब्रिटेन की नई टेक्नोलॉजी सिक्योरिटी इनिशिएटिव में भारत की भागीदारी साइबर सुरक्षा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में सहयोग को प्रोत्साहित कर सकती है, जिससे दक्षिण एशिया में एक संतुलित तकनीकी शक्ति-संतुलन बनेगा। हालाँकि स्टार्मर की यह यात्रा व्यापारिक दृष्टि से उत्साहजनक है, परंतु आव्रजन नीति को लेकर ब्रिटिश रुख अब भी कड़ा है। स्टार्मर ने स्पष्ट किया है कि मुक्त व्यापार समझौते के बावजूद भारतीय कुशल पेशेवरों के लिए नए वीज़ा अवसर नहीं खोले जाएँगे। यह स्थिति उन भारतीय युवाओं के लिए निराशाजनक है जो ब्रिटेन के आईटी, स्वास्थ्य या वित्तीय क्षेत्र में अवसर तलाश रहे हैं। दरअसल, ब्रिटेन का तर्क है कि वह व्यवसाय-से-व्यवसाय निवेश पर अधिक ध्यान देना चाहता है, न कि आव्रजन विस्तार पर। किंतु यह भी सत्य है कि ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था वर्तमान में श्रमिकों की कमी से जूझ रही है और कई उद्योगपतियों ने चेताया है कि अत्यधिक प्रतिबंधात्मक नीति से लंदन का टैलेंट पूल कमजोर पड़ सकता है। यदि ब्रिटेन वास्तव में वैश्विक प्रतिभा को आकर्षित करना चाहता है, तो उसे संतुलित और पूर्वानुमेय आव्रजन नीति अपनानी होगी। साथ ही, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री की भारत यात्रा केवल द्विपक्षीय नहीं, बल्कि दक्षिण एशियाई भू-राजनीति में भी नये समीकरण गढ़ सकती है। पाकिस्तान और श्रीलंका जैसे देशों के साथ ब्रिटेन के संबंध भारत के माध्यम से परोक्ष रूप से प्रभावित होते हैं। यदि भारत-ब्रिटेन साझेदारी स्थिर और सशक्त होती है, तो ब्रिटेन की दक्षिण एशिया नीति का केंद्र भारत बन जाएगा।

संपादकीय

बिहार में बजा चुनावी बिगुल, किसकी पूरी होगी आस, किसकी टूटेगी उम्मीद

हर बार की तरह बिहार विधानसभा का मौजूदा चुनाव उन सभी लोगों के लिए उम्मीदें लेकर आया है, जो खुद चुनाव मैदान में उतरने जा रहे हैं.. उनके समर्थकों की भी उनकी कामयाबी से आस लगी है। कार्यकर्ताओं का बड़ा वर्ग ऐसा भी है, जिसकी सेहत उस दल की जीत या हार पर निर्भर करती है, जिससे उसकी प्रतिबद्धता जुड़ी होती है। लेकिन सबसे ज्यादा उम्मीद पहली बार खुद चुनावी मैदान में उतरने जा रहे प्रशांत किशोर को है। उम्मीद तो तेजस्वी यादव को भी है। उन्हें लगता है कि इस बार उनके नाम के बाद अतीत में लगे उप विशेषण से मुक्ति मिल जाएगी। उम्मीद उस बीजेपी को भी है, जो अपने सहयोगी की तुलना में संख्या बल में ताकवतर होने के बावजूद छोटे भाई की भूमिका निभाने को मजबूर रही है। आस तेजप्रताप को भी है कि वे लालू-राबड़ी की छाया से दूर होने के बावजूद चुनावी मैदान में कमाल दिखाने में वे सफल रहे हैं। देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस को भी ऐसी ही उम्मीदें हैं। उसे भावी सरकार में हिस्सेदारी की आस है। लेकिन अन्य दलों की तुलना में उसकी उम्मीद कुछ अलग भी है। उसे लगता है कि अगर इस चुनाव में तेजस्वी की अगुआई वाले उसके गठबंधन ने मोदी-नीतीश की जोड़ी को पटखनी दे दी तो दिल्ली के ताज तक की उसकी यात्रा आसान हो जाएगी। उम्मीदें खोखली नहीं होतीं। उनका कुछ ठोस आधार भी होता है। इस लिहाज से देखें तो हर पार्टी और उसके बड़े नेताओं की आस के कुछ ठोस आधार हैं। तेजस्वी यादव को लगता है कि उनके गठबंधन में शामिल कांग्रेस के चलते उनके पारंपरिक मुस्लिम-यादव गठजोड़ को राज्य के सवर्ण तबके के एक वर्ग का वोट मिल सकता है। पिछले चुनाव में उनका गठबंधन नीतीश की अगुआई वाले गठबंधन की तुलना में महज साढ़े सोलह हजार के करीब वोटों से ही पिछड़ गया था। उन्हें लगता है कि इस बार इस कमी को ना सिर्फ उनका गठबंधन पूरा कर लेगा,बल्कि आगे भी निकल जाएगा। लेकिन उन्हें भूलना नहीं चाहिए कि पिछली बार चिराग पासवान की अगुआई वाली लोक जनशक्ति पार्टी एनडीए से अलग होकर लड़ रही थी। तब उनका अघोषित और घोषित-दोनों उद्देश्य नीतीश कुमार को पटखनी देना था। इसमें वे पूरी तरह कामयाब तो नहीं हुए, अलबत्ता नीतीश के नतीजों को नुकसान पहुंचाने में कामयाब रहे। नीतीश की पार्टी को महज 43 सीटों से संतोष करना पड़ा था। लेकिन इस बार चिराग नीतीश के साथ हैं। अंदरखाने में भले ही वे नीतीश का साथ नहीं दे रहे हों, लेकिन करीब दस फीसद पासवान वोटरों का आधार एनडीए को मुहैया करा रहे हैं। इसलिए तेजस्वी को इस बार कहीं ज्यादा मेहनत करनी होगी। उन्हें राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के ठोस वोट बैंक में गहरी सेंध लगानी होगी। तेजस्वी के लिए राहत की बात यह है कि सीमांचल की 28 सीटों पर उन्हें चुनौती देने वाली एआईएम इस बार उनसे गठबंधन करने के लिए लालायित है। अगर बात बन जाती है तो तेजस्वी के गठबंधन के लिए चुनावी वैतरणी थोड़ी आसान हो जाएगी। लेकिन तेजस्वी की राह का एक बड़ा रोड़ा उनके बड़े भाई तेजप्रताप हैं। जिन्हें उनकी दो बहनों का परोक्ष साथ भी मिल रहा है। इससे बिहार के उनके कोर वोटरों में संदेश गया है कि परिवार में सबकुछ ठीक नहीं है। अगर तेजस्वी के साथ यादव युवाओं का एक वर्ग खड़ा हो गया तो ओबैसी के आने से मिलने वाले फायदे जितना तेजस्वी को नुकसान उठाना पड़ सकता है।

छिंदवाड़ा में मासूम मौतों की जिम्मेदार, मप्र की हत्यारी सरकार!
जीतू पटवारी अध्यक्ष, मप्र कांग्रेस

35.75 करोड़ की ठगी; 10 रुपए का शेयर 12972 में दिखाया

माइनिंग में मुनाफे का झांसा, भोपाल-ईओडब्लू ने दर्ज की एफआईआर

न्यूज क्राइम फाइल

ईओडब्ल्यू की भोपाल ईकाई ने कारोबारी दिलीप कुमार गुप्ता और अन्य के खिलाफ 35.75 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है। आरोप है कि गुप्ता ने माइनिंग में ऊंचे मुनाफे और कंपनी में डायरेक्टर बनाए जाने का लालच देकर भोपाल निवासी विनीत जैन से करोड़ों रुपए निवेश कराए। इसके लिए फर्जी शेयर वैल्यू और झूठे दस्तावेजों का सहारा लिया गया। विनीत ने 13 सितंबर 2024 को ईओडब्ल्यू में शिकायत की थी। ईओडब्ल्यू के अनुसार, विनीत ने 2017-18 में 6.89 करोड़ रुपए गुप्ता के खातों में ट्रांसफर किए थे। यह रकम उन्होंने आईसीआईसीआई बैंक और पीएनबी हाउसिंग से संपत्तियां गिरवी रखकर लोन के जरिए जुटाई थी। वहीं, गुप्ता का कहना है कि लगाए गए आरोप बेबुनियाद हैं। बाद में आरोपी ने इन्हीं संपत्तियों पर 2 करोड़ रुपए के टॉप-अप लोन दिलाने का झांसा दिया और इसे भी निवेश के रूप में कंपनी को सौंप दिया गया।

इस दौरान गुप्ता ने भरोसा बनाए रखने के लिए 91 लाख रुपए का लाभांश लौटाया, लेकिन 2020 के बाद यह भुगतान बंद कर दिया।

निवेश की रकम से लोन-ईएमआई चुकाई-

ईओडब्ल्यू की जांच में सामने आया कि जैन परिवार से मिली रकम से गुप्ता ने अपनी कंपनियों के लोन और ईएमआई तक चुकाए, लेकिन निवेश की रकम नहीं लौटाई। इस आधार पर जांच एजेंसी ने दिलीप, उनकी दोनों कंपनियों और अन्य के खिलाफ आईपीसी की धारा 120बी, 420, 467, 468, 471 के तहत केस दर्ज किया है।

ईओडब्ल्यू की जांच में सामने आई ये गड़बड़ियां

फर्जी शेयर वैल्यू: कंपनी के दस्तावेजों में प्रति शेयर मूल्य 10 रुपए था, लेकिन झूठे दस्तावेजों में इसे 12,972 रुपए प्रति शेयर दिखाया। ज़ नकली बोर्ड मीटिंग: जिस तारीख (12 जुलाई 2018) को शेयर आवंटन दिखाया गया, उस दिन कंपनी की कोई बैठक हुई ही नहीं थी। ज़ बंद खाते से चेक जारी: निवेशक को 7.74 करोड़ रुपए का पोस्ट-डेटेड चेक बंद खाते से दिया गया, जो बाउंस हुआ।

फर्जी कानूनी नोटिस: रकम मांगने पर निवेशक को उल्टा फर्जी नोटिस भेजा गया, ताकि उसे भ्रमित किया जा सके। ज़ लोन से मिली राशि का दुरुपयोग: निवेशक और उनकी मां की संपत्तियां गिरवी रखकर लिए गए 11.15 करोड़ रुपए के लोन की ईएमआई आरोपी ने नहीं भरी।

कंपनी के लोन चुकाने के लिए निवेशक से ली रकम: 2019 से 2021 के बीच विनीत ने आरोपी की कंपनी की ईएमआई भरने के लिए अपने खातों से 55.13 लाख रुपए ट्रांसफर किए। . फर्जी शेयर अलॉटमेंट दस्तावेज: जैन की मां और सास के नाम पर 5 कंपनियों में 46,240 शेयर केवल 10 रुपए प्रति शेयर की दर से आवंटित किए गए, लेकिन कागजों में करोड़ों का मूल्य दिखाया गया। निवेश पर झूठे मुनाफे का झांसा: 3-4 साल में रकम कई गुना होगी। ऐसा कहकर निवेश करवाया, लेकिन कोई रिटर्न नहीं दिया गया।

आईएएस सूफिया के बाद अब प्रीति मैथिल केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर

न्यूज क्राइम फाइल

सूफिया फारुकी वली के बाद अब आईएएस अफसर प्रीति मैथिल भी केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जाएंगी। प्रीति एमपी कैडर की दूसरी महिला आईएएस अफसर हैं जो भोपाल में रहकर केंद्रीय प्रतिनियुक्ति की अफसर के रूप में काम करेंगी। प्रीति को ट्राइबल को-आपरेटिव मार्केटिंग डेवलपमेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया (ट्राइफेड) में डिप्टी जनरल मैनेजर बनाया गया है। उधर जनगणना निदेशक एमपी का पद 10 दिन से खाली है। वर्ष 2009 बैच की आईएएस अधिकारी प्रीति मैथिल की ट्राइफेड में प्रतिनियुक्ति पर पांच साल के लिए पदस्थापना की गई है। मैथिल की पोस्टिंग को लेकर डीओपीटी ने मुख्य सचिव एमपी को निर्देश जारी कर दिए हैं और तीन हफ्ते में मैथिल को जॉइन करने के लिए कहा है। प्रीति मैथिल मंडला, सागर और रीवा की कलेक्टर रह चुकी हैं।

फारुकी बन चुकी है निगम में जीएम

इसके अलावा मुख्यमंत्री सचिवालय, किसान कल्याण और कृषि विकास विभाग में भी वे संचालक और अपर सचिव के पद पर काम कर चुकी हैं। इसके दस दिन पहले 2009 बैच की ही आईएएस अधिकारी सूफिया फारुकी वली को भारतीय खाद्य निगम में एमपी रीजन में जनरल मैनेजर के रूप में पदस्थ किया जा चुका है। इसके पहले मार्च 2025 में प्रियंका दास, पंकज जैन, प्रवीण सिंह अधयक, अगस्त में तन्वी सुंद्रियाल, सितंबर में नीरज कुमार सिंह की पदस्थापना केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर की जा चुकी है। एमपी कैडर के छह अधिकारी केंद्रीय मंत्रियों के यहां विशेष सहायक के रूप में काम कर रहे हैं, जिनमें से अधिकांश की पदस्थापना 2024 में की गई है।

पत्रकार बनने का सुनहरा अवसर

अगर आपके अंदर लिखने का कौशल है और पत्रकारिता में रुचि है, तो 'न्यूज क्राइम फाइल' को आपकी तलाश है। 'न्यूज क्राइम फाइल' से जुड़ कर आप हर माह दस हजार रुपये तक कमा सकते हैं। 'न्यूज क्राइम फाइल' भोपाल, ग्वालियर, सतना, सागर, जबलपुर, इंदौर, उज्जैन, मंदसौर और नीमच में ब्यूरो ऑफिस खोलने जा रहा है। इच्छुक उम्मीदवार तत्काल हमें अपना बॉयोडाटा मेल करें या व्हाट्सअप करें।

उदय प्रताप सिंह चौहान (संपादक) 07223003441
website: www.newscrimefile.com
email: newscrimefile@yahoo.com

यह बदलते दौर का मध्यप्रदेश है। यहां पर्याप्त लैंड बैंक है और सरप्लस बिजली है। प्रसन्नता है कि देश के अंदर सबसे सस्ती बिजली हम दे रहे हैं।
मोहन यादव, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री

नागपुर में उपचार-रत बच्चों और उनके परिजन से कुशल क्षेम जानी

मध्यप्रदेश सरकार प्रतिबंधित कफ़ सिरप से जुड़े किसी दोषी को छोड़ेगी नहीं : मुख्यमंत्री

न्यूज क्राइम फाइल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रतिबंधित कफ सिरप का उपयोग किए जाने के मामले से संबंधित किसी भी दोषी को मध्यप्रदेश सरकार नहीं छोड़ेगी। अभी तमिलनाडु की दवा कंपनी के जिम्मेदार लोगों को दबोचा गया है और उनकी गिरफ्तारी हुई है। मध्यप्रदेश सरकार मानवीय और प्रशासनिक दोनों आधार पर कार्रवाई जारी रखेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को नागपुर के विभिन्न अस्पताल में उपचाररत बच्चों के स्वास्थ्य की जानकारी लेने और परिजन से चर्चा करने के बाद मीडिया प्रतिनिधियों से संवाद कर रहे थे।

तमिलनाडु सरकार से अपेक्षित सहयोग नहीं मिल रहा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि तमिलनाडु में निर्मित दवा के उपयोग से ही बच्चों की मृत्यु की बात प्रमाणित हुई है। मध्यप्रदेश पुलिस ने दोषी लोगों की गिरफ्तारी की है। दुर्भाग्य की बात है कि तमिलनाडु सरकार की तरफ से अपेक्षित सहयोग प्राप्त नहीं हो रहा है। तमिलनाडु के ड्रग कंट्रोलर को दवा कंपनी की नियमानुसार जांच करना चाहिए। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा रेंडम सैंपल लेकर आवश्यक जांच करवाई गई और छिंदवाड़ा के चिकित्सक सहित और अन्य दोषियों का निलंबन भी किया गया है और ड्रग कंट्रोलर को हटाया गया है। इसके साथ ही, जो डॉक्टर उस कंपनी की प्रतिबंधित दवा रोगियों के लिए लगातार लिख रहे है, उनके विरुद्ध भी कार्रवाई की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि तमिलनाडु सरकार को नियमों के अनुसार सख्त कार्रवाई करना चाहिए। अब तक की जांच में मूल रूप से मैन्युफैक्चरिंग के स्तर पर त्रुटि की बात सामने आई है। त्रुटिपूर्ण यह दवा बच्चों को दी गई जिसके फलस्वरुप जीवन की क्षति हुई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जैसे ही तमिलनाडु सरकार की रिपोर्ट आई वैसे ही मध्यप्रदेश सरकार ने इस कफ सिरप पर प्रतिबंध लगाया। दवा कंपनी के मालिक को भी गिरफ्तार किया गया। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। किसी भी दोषी को नहीं छोड़ा जाएगा।

कोई भी व्यक्ति जाकर कर सकता है स्थल अवलोकन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रश्न किया कि वो कौन लोग हैं जिन्होंने इस कंपनी को ड्रग लाइसेंस देने का कार्य किया? मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि छोटी सी जगह पर किस तरह फैक्ट्री संचालित है, यह प्रश्न पूछा जाना चाहिए। बिना जांच के लाइसेंस कैसे रिन्यू किया गया? इस दवा कंपनी को दोबारा उद्योग लाइसेंस कैसे दिया गया? कोई भी व्यक्ति स्थल पर जाकर अवलोकन कर सकता है।

मध्यप्रदेश पीड़ित पक्ष है, किसी के खिलाफ भी कार्रवाई से पीछे नहीं हटेंगे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश के बच्चे और परिवार तो पीड़ित पक्ष हैं, हमारे प्रदेश के बच्चों की मृत्यु हुई है। इस संवेदनशील प्रकरण में मध्यप्रदेश सरकार किसी भी दोषी के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने से पीछे नहीं हटेगी।

कार्यक्रम

उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने मध्यप्रदेश सरकार में पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रह्लाद सिंह पटेल जी की पूज्य माताजी के दु:खद देहावसान उपरांत उनके गृह ग्राम गोटेगांव (श्रीधाम, नरसिंहपुर) पहुंचकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की एवं शोक संवेदनाएं व्यक्त की।

मुंबई की नई मेट्रो लाइन से यहां के मेरे परिवारजनों का सफर और आसान होने वाला है। इसके लोकार्पण का अवसर उन लोगों के कारनामों की भी याद दिलाता है, जिनके लिए जनता की सुविधा से बढ़कर सत्ता की सुविधा है।

प्रधानमंत्री- नरेंद्र मोदी

एयरलाइन के 6 संस्थापक सदस्यों में से एक थीं

आकासा एयर की को-फाउंडर नीलू खत्री ने इस्तीफा दिया

न्यूज क्राइम फाइल

तीन साल पहले शुरू हुई भारतीय एयरलाइन आकासा एयर की को फाउंडर नीलू खत्री ने कंपनी से इस्तीफा दे दिया है। नीलू कंपनी के 6 संस्थापक सदस्यों में से एक थीं। वह अभी कंपनी में इंटरनेशनल संभाल रहीं थीं। आकासा एयर ने गुरुवार को एक बयान जारी कर नीलू खत्री के इस्तीफे की खबर को कन्फर्म किया। एयरलाइन के बयान के अनुसार, खत्री ने अपने पेशेवर सफर में एक नई दिशा की तलाश के लिए कंपनी से आगे बढ़ने का फैसला किया है। नीलू खत्री का इस्तीफा ऐसे समय में आया है जब आकासा एयर ने हाल के महीनों में कुछ बड़े बदलाव देखे हैं। इससे पहले अगस्त में कंपनी ने विस्तार के लिए प्रेमजी इन्वेस्ट और क्लेपॉन्ड कैपिटल जैसे निवेशकों से फंड जुटाया था। आकासा एयर के पांच अन्य सह-संस्थापक (आदित्य घोष, आनंद श्रीनिवासन, बेल्सन कॉटिन्हो, भाविन जोशी और प्रवीण अय्यर) अभी भी कंपनी से जुड़े हुए हैं। कंपनी की कमांड सीईओ विनय दुबे के हाथों में हैं।

अजीम प्रेमजी की कंपनी ने आकासा एयर में निवेश किया

अकासा एयर की पेरेंट कंपनी SNV एविएशन में अजीम प्रेमजी की प्रेमजी इन्वेस्ट, रंजन पाई का मणिपाल ग्रुप और 360 वन एसेट मिलकर हिस्सेदारी खरीद रहे हैं। कंपटीशन कमीशन ऑफ इंडिया ने अप्रैल में इस खरीदारी के लिए मंजूरी दी थी। तीनों कंपनियों ने फरवरी 2025 में तीनों कंपनियों ने अकासा एयर में स्टेक खरीदने के लिए समझौता किया था। हालांकि कंपनिया कितनी हिस्सेदारी खरीदेंगी इसकी जानकारी सामने नहीं आई है।

भारतीय बाजार में आकासा एयर की 5.4त्न हिस्सेदारी

आकासा एयर अपनी बाजार हिस्सेदारी को लगातार मजबूत कर रही है। उसकी अगस्त में घरेलू बाजार में 5.4त्न हिस्सेदारी रही। अभी एयरलाइन 30 बोइंग 737 मैक्स विमानों का बेड़ा संचालित करती है। इनमें 24 घरेलू और 6 अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं।

2032 तक 226 विमानों का बेड़ा बनाने का टारगेट

जुलाई में कंपनी के ष्टस्नह्र अंकुर गोयल ने घोषणा की थी कि एयरलाइन अपने वित्तीय प्रदर्शन में सुधार कर रही है, क्षमता बढ़ा रही है और उनका लक्ष्य 2032 के अंत तक अपने बेड़े को बढ़ाकर 226 विमानों तक पहुँचाना है।

अश्विन ने हर्षित राणा के चयन पर उठाए सवाल

बोले- बल्लेबाजी पर है संदेह, पर 'एक्स-फैक्टर' जरूर है

न्यूज क्राइम फाइल

पूर्व भारतीय क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन ने तेज गेंदबाज हर्षित राणा के सभी फॉर्मेट में चयन पर सवाल उठाए हैं। अश्विन ने कहा कि उन्हें राणा की नंबर-8 पर बल्लेबाजी करने की क्षमता पर शक है, हालांकि उन्होंने माना कि राणा में एक खास 'एक्स-फैक्टर' जरूर है। अश्विन ने यह बात अपने यूट्यूब चैनल पर कही। हाल ही ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय टीम का ऐलान किया है। टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया दौरे पर 3 वनडे और 5 टी-20 खेलेगी। 19 अक्टूबर को पहला वनडे पर्थ में खेला जाएगा। इसके बाद दूसरा मैच 23 अक्टूबर को एडिलेड में और तीसरा 25 अक्टूबर को सिडनी में खेला जाएगा। इसके बाद 5 मैचों की टी-20 सीरीज होगी। टी-20 टीम की कप्तानी सूर्यकुमार यादव करेंगे। हर्षित राणा को वनडे और टी-20 दोनों टीम में जगह दी गई है। अश्विन ने सवाल उठाने के साथ उन्हें एक्स फैक्टर भी बताया अश्विन ने अपने वीडियो में कहा,%मैं यह समझना चाहता हूं कि हर्षित राणा का चयन क्यों किया गया। काश मैं चयन समिति की बैठक में शामिल होकर इसका कारण जान पाता। मेरे हिसाब से ऑस्ट्रेलिया में हमें ऐसे तेज गेंदबाज की जरूरत है जो बल्लेबाजी भी कर सके। शायद चयनकर्ताओं को लगता है कि राणा नंबर-8 पर बल्लेबाजी कर सकते हैं, लेकिन मुझे उनकी बल्लेबाजी क्षमता पर संदेह है। अश्विन ने यह भी कहा कि हर्षित राणा का चयन शायद 2024 के ढ्ढक्कु फाइनल में उनकी शानदार गेंदबाजी की वजह से हुआ है। उन्होंने कहा,दो साल पहले ढ्ढक्कु फाइनल में राणा ने एक जबरदस्त गेंद फेंकी थी, जो बल्ले के किनारे से निकल गई थी। शायद उसी एक गेंद ने सबका ध्यान खींचा और अब उन्हें लगातार मौके मिल रहे हैं। अश्विन ने कहा कि हर्षित राणा में कुछ खास जरूर है। उन्होंने कहा, लोग अक्सर अपनी धारणाओं के आधार पर राय बनाते हैं, लेकिन असली सच्चाई मैदान पर सामने आती है। हर्षित को दूर से देखने पर कुछ और लगता है, लेकिन जब आप उनकी तेज गेंदों का सामना करते हैं, तब पता चलता है कि उनमें वाकई 'एक्स-फैक्टर' है। अश्विन ने आगे कहा, उनके चयन के हकदार होने या न होने पर बहस हो सकती है, लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए कि उनमें खासियत है। अगर मुझसे पूछा जाए कि क्या वह अभी चयन के हकदार हैं, तो यह बड़ा सवाल है। अश्विन का यह बयान हर्षित राणा के चयन पर चल रही चर्चा को और तेज कर सकता है, क्योंकि उन्होंने एक ओर उनकी प्रतिभा की सराहना की, तो दूसरी ओर चयन पर सवाल भी उठाए।

राणा ने पिछले साल नवंबर में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था हर्षित राणा ने पिछले साल नवंबर में ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान टेस्ट डेब्यू किया था। इसके बाद से उन्होंने सभी फॉर्मेट में 10 मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 27.47 की औसत से 19 विकेट लिए हैं। हालांकि, उनके नाम अब तक कोई चार या पांच विकेट का प्रदर्शन नहीं है। वहीं, 2024 का ढ्ढक्कु सीजन राणा के लिए शानदार रहा। कोलकाता नाइट राइडर्स (चयक्र) की ओर से खेलते हुए उन्होंने 11 पारियों में 20.15 की औसत से 19 विकेट झटके। उनकी इकोनॉमी रेट 9.08 रही और सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 3/18 का था। वह टूर्नामेंट में चौथे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे और अपनी टीम के लिए दूसरे सबसे सफल गेंदबाज थे, जिसने उस सीजन का खिताब जीता था।

श्रीकांत ने भी राणा और रेड्?डी के चयन पर सवाल उठाए थे

अश्विन से पहले पूर्व क्रिकेटर कृष्णमाचारी श्रीकांत ने भी हर्षित राणा और नीतीश कुमार रेड्डी के चयन पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा था, टीम इंडिया में इस वक्त सिर्फ एक ही पक्का खिलाड़ी है हर्षित राणा। किसी को नहीं पता कि वह टीम में क्यों हैं। आप उन खिलाड़ियों को नहीं चुनते जो लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन ऐसे खिलाड़ियों को मौका दे देते हैं जो कुछ खास नहीं कर रहे। आपको 2027 वर्ल्ड कप की तैयारी शुरू कर देनी चाहिए, लेकिन ऐसा होता नहीं दिख रहा। अगर आप हर्षित राणा और नीतीश कुमार रेड्डी जैसे खिलाड़ियों को संभावित सूची में रखते हैं, तो वर्ल्ड कप जीतने की उम्मीद छोड़ देनी चाहिए।

साप्ताहिक
न्यूज क्राइम फाइल
भोपाल, 13 अक्टूबर से 19 अक्टूबर 2025

जो दिल्ली %आपदा% सरकार में प्रदूषित और अव्यवस्थित जल आपूर्ति से जूझ रही थी, वह मोदी जी के नेतृत्व में स्वच्छ और सुलभ जल आपूर्ति का केंद्र बनने की ओर तेजी से अग्रसर है।
केंद्रीय गृहमंत्री-अमित शाह

इंदौर में युवक के कातिल का रोल मॉडल दुर्लभ कश्यप

विजय नगर में कंधा टकराने पर की थी चाकू मारकर हत्या; निकुंज ने किया सरेंडर

निकुंज गुप्ता, आरोपी

न्यूज क्राइम फाइल

इंदौर के विजय नगर थाना क्षेत्र के स्कीम नंबर 54 में वाइन शॉप के पास शनिवार रात 19 वर्षीय पार्थ दीवान की तीन से अधिक बदमाशों ने चाकू मारकर हत्या कर दी। पुलिस जांच में सामने आया कि इस हत्याकांड का मुख्य आरोपी निकुंज उर्फ कृष्णा गुप्ता है, जो उज्जैन के कुख्यात गैंगस्टर दुर्लभ कश्यप को अपना रोल मॉडल मानता है। घटना के बाद पुलिस ने इलाके में लगातार दबिश दी, जिसके बाद मुख्य आरोपी निकुंज गुप्ता और उसके साथी निकुंज कोठे ने विजय नगर थाने में सरेंडर कर दिया। वहीं, एक अन्य फरार आरोपी की तलाश में पुलिस की टीम जुटी हुई है। बता दें निकुंज हीरानगर में हुए एक पुराने हत्याकांड में भी शामिल रह चुका है। कुछ समय पहले ही वह जेल से रिहा हुआ था और लगातार असामाजिक तत्वों के संपर्क में था। बताया जा रहा है कि पार्थ दीवान से उसकी बहस सिर्फ कंधा टकराने को लेकर हुई थी, जिसके बाद वारदात को अंजाम दिया गया।

विजयनगर पुलिस दे रही थी दबिश

विजयनगर थाना प्रभारी चंद्रकांत पटेल और उनकी टीम आरोपी की तलाश में जुटी हुई थी। पुलिस ने घटनास्थल पर लगे क्यूआर कोड से वाइन शॉप पर पेमेंट करने वाले युवक लविश वाडे को हिरासत में लिया था। पूछताछ में लविश ने खुलासा किया कि पार्थ को चाकू मारने वाला निकुंज ही था। बता दें निकुंज उज्जैन के कई बदमाशों के संपर्क में रहा है और दुर्लभ कश्यप गैंग से उसका पुराना नाता है।

वारदात के बाद सभी आरोपी हुए फरार

पुलिस जांच में सामने आया है कि वारदात के बाद आरोपी एक्टिवा से मौके से फरार हो गए थे और रात में सभी अलग-अलग दिशाओं में चले गए। निकुंज नंदानगर स्थित अपने घर नहीं पहुंचा और शहर से बाहर चला गया। पुलिस की अलग-अलग टीमें उसकी तलाश में सीहोर और अन्य संभावित स्थानों पर दबिश दे रही हैं।

पुलिस ने एक पिस्टल, 11 कारतूस और नकदी किए बरामद

शहडोल में प्रेमिका से मिलने पहुंचा नशा तस्कर जायसवाल गिरफ्तार

न्यूज क्राइम फाइल

शहडोल कोतवाली पुलिस ने अपनी प्रेमिका से मिलने आए विंध्य क्षेत्र के नशा तस्कर रमेश जायसवाल को गिरफ्तार किया है। उसके पास से एक पिस्टल, 11 जिंदा कारतूस, 65 हजार रुपए नकद और नशे से जुड़ी संदिग्ध सामग्री बरामद हुई है। यह गिरफ्तारी नशे के खिलाफ चल रही प्रदेशव्यापी मुहिम के तहत एक बड़ी सफलता मानी जा रही है।

जायसवाल पर 11 केस दर्ज

पुलिस को रमेश जायसवाल के अपनी प्रेमिका से मिलने शहडोल आने की सूचना मिली थी। यहां परिजनों से विवाद के बाद मामला थाने तक पहुंचा, जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई की। तलाशी के दौरान ये आपत्तिजनक सामग्री मिली। पुलिस के अनुसार, रमेश जायसवाल पर एनडीपीएस एक्ट के तहत 11 से अधिक मामले दर्ज हैं। वह लंबे समय से नशे के कारोबार में सक्रिय था और सीधी जिले के खाड़ा गांव का निवासी है। रामपुर नैकिन, अमरपाटन और शहडोल सहित कई जिलों की पुलिस उसे तलाश रही थी।

तलाश में मिला सामान

तलाशी के दौरान पुलिस ने उसके पास से 7.65 एमएम की पिस्टल, 11 जिंदा कारतूस, पांच मोबाइल फोन और नशे की सामग्री जब्त की। इसके अतिरिक्त, नशे के व्यापार में इस्तेमाल की जा रही एक लग्जरी कार को भी जब्त किया गया है। पुलिस विभाग की कई टीमें उसे पकड़ने के लिए प्रयासरत थीं, और अंततः यह अभियान सफल रहा। यह गिरफ्तारी नशे के खिलाफ चल रही प्रदेशव्यापी मुहिम में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसका उद्देश्य समाज में नशीले पदार्थों के प्रसार को रोकना है।

रक्षा मंत्रालय की नारी शक्ति पहल के अंतर्गत सशस्त्र बलों में महिला अधिकारियों की भागीदारी लगातार बढ़ रही है।
रक्षा मंत्री-राजनाथ सिंह

हथेलियों को जलाया, माथे पर गर्म सिक्का रखा

उज्जैन में प्रेत आत्मा से मुक्ति के नाम पर महिला को दी यातनाएं, 8 पर एफआईआर

न्यूज क्राइम फाइल

उज्जैन में इलाज और शरीर से कथित प्रेत आत्मा निकालने के नाम पर एक महिला के साथ प्रताड़ना का मामला सामने आया है। महिला की दोनों हथेलियों और सिर को गर्म सिक्के से जला दिया गया। दर्द के कारण वह बेहोश हो गई थी। यह घटना 29 सितंबर की है। इसके 10 दिन बाद गुरुवार (9 अक्टूबर) को महिला थाने पहुंची और शिकायत दर्ज कराई। इस पर 8 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

महिला को उसकी मां खाचरोद के एक गांव ले गई थी

उज्जैन के जूना सोमवारिया में रहने वाली उर्मिला उम्र 22 वर्ष की शादी गौतमपुरा में हुई थी। कुछ दिनों से वह अपनी बेटी को लेकर अपने उज्जैन स्थित घर रह रही थी। उर्मिला कई दिनों से बीमार चल रही थी। उसे कई बार डॉक्टर को दिखाया, लेकिन कोई फर्क नहीं पड़ा। इसके बाद उर्मिला की मां को पता चला कि खाचरोद के पास गांव श्रीवच्छ में एक महिला के शरीर में माता आती है और नवरात्रि में माता के आशीर्वाद से शरीर को बुरी आत्मा से छुटकारा मिल जाएगा और बेटी की तबीयत ठीक हो जाएगी।

जंजीरों से पीटा, सिर पर गर्म सिक्का चिपकाया

नवरात्रि की सप्तमी के दिन उर्मिला अपनी मां हंसा और परिवार के दो लोगों के साथ श्रीवच्छ गांव पहुंची। यहां पर उर्मिला की मां को बाहर रोककर परिवार के दो लोग सहित सुधा बाई, सुधा का बेटा कान्हा, मनोहर भील, कान्हा भील, संतोष चौधरी, राजू चौधरी, कान्हा चौधरी और रितेश चौधरी ने महिला को अकेले कमरे में ले जाकर पहले जंजीरों से पीटा, फिर बांधकर उसके दोनों हाथ पर रुई की बत्ती को घी में लगाकर जला दिया। तब तक जलाकर रखा जब तक उसकी हथेली जल नहीं गई। इसके बाद महिला के सिर पर गर्म सिक्के को चिपका दिया गया। जलने से महिला की सिर की चमड़ी निकल गई। इस असहनीय पीड़ा के चलते उर्मिला वही बेहोश हो गई थी।

स्वास्थ खराब था इसलिए माताजी को दिखने गए

पीड़िता ने बताया कि पति से अलग मां के साथ रहती हूं। यहीं पर अगरबत्ती बनाने का काम करके अपना और दो वर्ष की बेटी का गुजारा चलाती हूं। आए दिन बुखार आता था तो केडी गेट स्थित डॉ. अब्बास के क्लिनिक पर इलाज होता था, लेकिन लगातार तबीयत खराब होने की वजह से सोचा की पूजा पाठ परवा लेते हैं। इसलिए नवरात्रि की सप्तमी पर माता के पास चले गए। टीआई लीला सोलंकी ने बताया कि महिला की रिपोर्ट पर कार्रवाई की गई है। आठ लोगों पर मामला दर्ज किया गया है। जिसमें से तीन को हिरासत में लिया है। महिला के दोनों हाथ इतने जले हुए हैं कि घटना के 10 दिन बाद भी छाले पड़े हैं।

महिला की शिकायत पर 8 लोगों पर केस दर्ज

घटना के करीब 10 दिन बाद उर्मिला परिजनों के साथ उज्जैन के महिला थाने पहुंची। यहां टीआई लीला सोलंकी, उर्मिला के हाथ और सिर देखकर हैरान रह गई। उन्होंने तत्काल मामले की जांच के लिए खाचरोद थाने पर संपर्क किया तो पता चला कि श्रीवच्छ गांव में सुधा बाई इस तरह का पूजन पाठ और टोटके करती है। जिसके बाद महिला थाने में आठ लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया। जिसमें महिला सुधा बाई, सुधा का बेटा कान्हा, मनोहर भील, कान्हा भील, संतोष चौधरी, राजू चौधरी, कान्हा चौधरी और रितेश चौधरी के नाम शामिल हैं। इसमें से चार पीड़िता के परिवार के लोग हैं।

रोजगार सहायक के तबादले के लिए मांगी घूस: देवास के टोंक खुर्द में सीईओ 20 हजार रिश्वत लेते गिरफ्तार, लोकायुक्त ने रंगे हाथों पकड़ा

न्यूज क्राइम फाइल

देवास में उज्जैन लोकायुक्त इकाई ने देवास जिले के टोंक खुर्द जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) राजेश सोनी को 20,000 रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई जनपद कार्यालय स्थित उनके दफ्तर में की गई।

रोजगार सहायक के तबादले के लिए मांगे रुपए

यह मामला रोजगार सहायक कृष्ण पाल सिंह की शिकायत पर सामने आया। कृष्ण पाल सिंह, जो सोनसर तहसील टोंक खुर्द के निवासी हैं, ने 29 सितंबर 2025 को लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक उज्जैन आनंद यादव को शिकायत दी थी। उन्होंने बताया था कि सीईओ राजेश सोनी उनके ग्राम पंचायत नावदा में तबादला करने के एवज में 20,000 रुपए की रिश्वत मांग रहे थे।

रंगे हाथ गिरफ्तार

शिकायत का सत्यापन लोकायुक्त निरीक्षक दीपक सेजवार द्वारा कराया गया, जिसमें शिकायत सही पाई गई। इसके बाद, 10 अक्टूबर 2025 को लोकायुक्त टीम ने योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई करते हुए राजेश सोनी को आवेदक से रिश्वत लेते हुए पकड़ लिया। इस कार्रवाई में उप पुलिस अधीक्षक राजेश पाठक, निरीक्षक दीपक शेजवार, श्याम शर्मा, उमेश जाटवा, संदीप कदम और रमेश डाबर सहित लोकायुक्त टीम के सदस्य शामिल थे। मामले में आगे की कानूनी कार्यवाही जारी है।

हरियाणा के हुक्कर अधिकारी वाई पूरन कुमार जी की आत्महत्या उस गहराते सामाजिक ज़हर का प्रतीक है, जो जाति के नाम पर इंसानियत को कुचल रहा है।

नेता प्रतिपक्ष-राहुल गांधी

नागपुर के शख्स से जब्त राशि के लिखा-पढ़ी में देरी करने पर जबलपुर आईजी ने की कार्रवाई

सिवनी में एसडीओपी समेत 10 पुलिसकर्मी सस्पेंड

न्यूज क्राइम फाइल

सिवनी में एक करोड़ रुपए से अधिक की राशि जब्त करने के मामले में लापरवाही बरतने पर जबलपुर जोन के आईजी प्रमोद वर्मा ने 9 पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है। निलंबित होने वालों में बंडोल थाना प्रभारी एसआई अर्पित भैरम, दो प्रधान आरक्षक और 6 आरक्षक शामिल हैं। इसके अलावा, एसडीओपी पूजा पांडे को भी निलंबित कर दिया है। कार्रवाई नागपुर के कुछ लोगों से जब्त की गई राशि के संबंध में लिखा-पढ़ी में देरी और उचित कार्रवाई न होने के कारण की गई है। बंडोल थाना प्रभारी अर्पित भैरम और नगर पुलिस अधीक्षक (सीएसपी) पूजा पांडे ने बुधवार देर रात एक वाहन से नागपुर के कुछ लोगों से एक करोड़ रुपए से अधिक की नकदी जब्त की थी। आरोप है कि इस राशि की लिखा-पढ़ी करने और संबंधितों पर कार्रवाई करने में थाना प्रभारी व सीएसपी ने काफी विलंब किया। गुरुवार देर रात तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया था कि कितनी राशि जब्त की गई है। क्या कार्रवाई की जा रही है।

थाना प्रभारी सहित 9 पुलिसकर्मी निलंबित

निलंबित किए गए पुलिसकर्मियों में उप निरीक्षक अर्पित भैरम (थाना प्रभारी बंडोल), प्रधान आरक्षक 203 माखन (एसडीओपी कार्यालय सिवनी), प्रधान आरक्षक 447 रविन्द्र उईके (रीडर-एसडीओपी कार्यालय सिवनी), आरक्षक 803 जगदीश यादव (एसडीओपी कार्यालय सिवनी), आरक्षक 306 योगेन्द्र चौरसिया (एसडीओपी कार्यालय सिवनी), आरक्षक चालक 582 रितेश (ड्राइवर एसडीओपी कार्यालय सिवनी), आरक्षक 750 नीरज राजपूत (थाना बंडोल, सिवनी), आरक्षक 610 केदार (गनमैन एसडीओपी सिवनी, 8वीं वाहिनी विसबल छिंदवाड़ा) और आरक्षक 85 सदाफल (गनमैन एसडीओपी सिवनी, 8वीं वाहिनी विसबल छिंदवाड़ा) शामिल हैं।

सीएसपी पूजा पांडे भी सस्पेंड

जानकारी मिलने पर जबलपुर आईजी प्रमोद वर्मा ने संज्ञान लिया। उन्होंने देर रात करीब 10 बजे निलंबित करने का आदेश जारी कर दिया। मामले की जांच जारी है। सीएसपी पूजा पांडे को भी दूसरे दिन सस्पेंड कर दिया। यह कार्रवाई डीजीपी कैलाश मकवाना ने की। आईजी प्रमोद वर्मा की ओर से जारी आदेश में उल्लेख किया गया है कि सिवनी जिले में पदस्थ/कार्यरत जिला पुलिस बल और 8वीं वाहिनी विसबल, छिंदवाड़ा के इन अधिकारियों/कर्मचारियों को संदिग्ध आचरण के कारण तत्काल प्रभाव से निलंबित कर पुलिस लाइन सिवनी से संबद्ध किया जाता है। निलंबन अवधि के दौरान इन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा और वे तीनों गणनाओं में पुलिस लाइन सिवनी में उपस्थित रहेंगे।

अनवर कादरी को पार्षद पद से हटाया, बताए कई नियम

इंदौर नगर निगम में प्रस्ताव पारित, मेयर बोले- क्या कांग्रेस लव जिहाद के समर्थन में है

न्यूज क्राइम फाइल

लव जिहाद फंडिंग मामले के आरोपी अनवर कादरी को पार्षद पद से हटा दिया। निगम परिषद सम्मेलन में पार्षदों के दो तिहाई बहुमत से ये प्रस्ताव पारित किया। नगर निगम एक्ट की धारा के तहत ये प्रस्ताव पारित किया है। साथ ही महापौर ने संभागायुक्त को इस संबंध में जो लेटर लिखा था, उस पर भी कार्रवाई जारी है। कादरी को पद से हटाने का प्रस्ताव पारित करने के बाद महापौर ने नियम भी बताए हैं, जिनके तहत यह कार्रवाई की गई है। बता दें कि इस मामले में निगम ने कादरी को नोटिस भी भेजा था, जिसका जवाब कादरी ने परिषद सम्मेलन में दिया था। विपक्ष ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में ऐसा किसी को अधिकार नहीं है। अनवर कादरी दोषी साबित नहीं हुए हैं। आने वाले समय में कोई स्थिति आएगी तो न्यायपालिका का सहारा लेंगे। गुरुवार को निगम परिषद सम्मेलन हुआ। इसमें प्रश्नोत्तर के साथ ही विभिन्न प्रस्तावों को पास किया गया। इसी प्रस्तावों में 67 नंबर पर अनवर कादरी को पार्षद पद से हटाने का प्रस्ताव था। इस प्रस्ताव को भाजपा पार्षद दल ने सदन में रखा। ये प्रस्ताव आने के पहले ही विपक्ष वॉक आउट करके चला गया

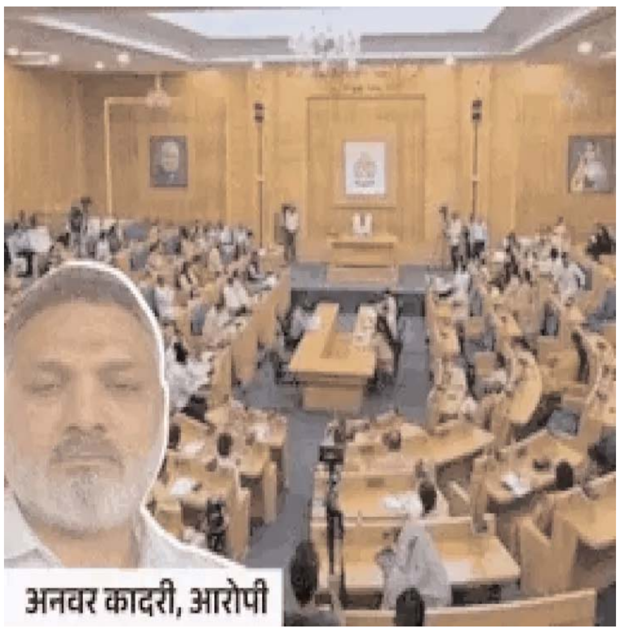

अनवर कादरी, आरोपी

था। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि अनवर कादरी जिन पर कई प्रकार के गंभीर केस में सजा भी हुई है, गंभीर आरोप लगे हैं। लव जिहाद के फंडिंग के आरोप लगे हैं। इन आरोपों पर कांग्रेस ने तब भी कोई संज्ञान नहीं लिया। आज पार्षदों ने पार्षदी खत्म करने जो प्रस्ताव किया उस चर्चा सत्र का भी कांग्रेस ने बायकॉट किया। इसलिए मैं कांग्रेस के सभी बड़े नेताओं राहुल गांधी, जीतू पटवारी, चिंटू चौकसे उनसे ये पूछना चाहता हूं कि क्या वे लव जिहाद के समर्थन में हैं?

पार्षद के निष्कासन का प्रस्ताव पहले नहीं आया होगा

बता दें कि इस मामले में महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने अनवर कादरी को पार्षद पद से हटाने जाने के संबंध में कार्रवाई करने के लिए 20 जून को लेटर लिखा था। बता दें कि इस मामले में महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने अनवर कादरी को पार्षद पद से हटाने जाने के संबंध में कार्रवाई करने के लिए 20 जून को लेटर लिखा था। कादरी के प्रस्ताव को लेकर महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि मेरी जानकारी के हिसाब से इंदौर नगर निगम के इतिहास में पार्षद के निष्कासन का प्रस्ताव नहीं आया होगा। 2003 में जब भी नगर निगम के कानून के संशोधन करके ये प्रावधान लाया गया। यदि परिषद के दो तिहाई सदस्यों को ये लगता है कि किसी पार्षद का कृत्य या उस पर आरोप या उसके दोष इतने गंभीर है कि उसका पार्षद बना रहना निगम हित में शहर हित में नहीं है तो उस कानून का सदुपयोग हुआ। संभागायुक्त को हमने सूचित किया था। उन्होंने भी अनवर कादरी के खिलाफ पार्षद पद से निष्कासित करने का कार्रवाई शुरू की है। विश्वास है कि संभागायुक्त भी पर्याप्त सुनवाई का समय देने के बाद न केवल पार्षदी समाप्त करेंगे बल्कि उनके अधिकार क्षेत्र में यह भी आता है कि वो आने वाले कुछ सालों के लिए कादरी को पार्षद पद के चुनाव लड़ने से भी रोक सकते हैं। महापौर भार्गव ने बताया कि नगर निगम एक्ट के प्रावधानों के अनुरूप दो तिहाई बहुमत से अनवर कादरी की पार्षदी समाप्त करने का काम सदन ने किया है।

मंदसौर जिले की शामगढ़ नगर परिषद की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती संतोष रमेशचंद्र काला जी के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है।
डिप्टी सीएम मप्र- जगदीश देवड़ा

गोलियां बरसाकर किया किडनैप, 20 घंटे बाद जंगल में छोड़ा

ग्वालियर में रिश्ता तोड़ने से नाराज होकर बदमाश ने की वारदात; दो साल पहले था प्रेम-प्रसंग

न्यूज क्राइम फाइल

ग्वालियर के तिघरा थाना क्षेत्र से करीब 15 किलोमीटर दूर गुर्जा गांव से अपहरण कर ले जाई गई रीना उर्फ अंजू गुर्जर को गुरुवार देर शाम को बरामद कर लिया गया। बदमाश उसे लंका के पहाड़ के जंगल में छोड़कर भाग गए। पुलिस को सूचना मिली थी कि महिला यहां जंगल में अकेली बैठी हुई है। सूचना के आधार पर पुलिस मौके पर पहुंची और उसका रेस्क्यू किया। अपहरण हुई गर्भवती महिला रीना के मिलने के बाद उसे इलाज और जांच के लिए कमला राजा हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। अंजू जब पुलिस को मिली तब उसके पैर कांटों से फटे थे। बदमाश योगी अंजू को लगभग 25 किलोमीटर जंगल में पैदल चला चुका था। वह रुक-रुक चल रहे थे, लेकिन जंगल के कांटो पत्थरों से उसके पैर फट गए थे। बता दें कि बुधवार रात को आरोपी योगेंद्र गुर्जर उर्फ योगी करीब 20 साथियों के साथ हथियार लेकर गुर्जा गांव पहुंचा। यहां एक घर में धावा बोल दिया। कुछ लोग घर के अंदर घुसे, बाकी साथी बाहर फायरिंग करते रहे। घरवालों से मारपीट की, फिर गर्भवती महिला रीना का अपहरण कर ले गए थे।

रिश्ता तोड़ने से नाराज होकर की वारदात

तिघरा पुलिस के अनुसार, मुरैना जिले के तिलौंदा के रहने वाले योगेंद्र गुर्जर उर्फ योगी की शादी रीना उर्फ अंजू से तय हुई थी। लेकिन उसकी आपराधिक गतिविधियों के कारण रीना के परिजन ने रिश्ता तोड़ दिया था। रीना की शादी गुर्जा गांव के गिर्राज गुर्जर (23) से करीब डेढ़ साल पहले कर दी गई थी। रिश्ता टूटने और रीना की कहीं और शादी होने पर योगी ने बदला लेने की ठान ली। उसने धमकी दी थी कि वह गिर्राज की हत्या कर रीना से शादी करेगा।

अंजू की बिगड़ रही थी हालत, तभी पहुंची पुलिस

पुलिस ने लंका पहाड़ के जंगल में जब योगी के गैंग को घेरा उस समय अंजू का हालत बिगड़ रही थी। आरोपी अंजू को सुरक्षित ठिकाने पर छोड़कर राजस्थान के इलाके में भागना चाहते थे। महिला की हालत खराब थी और उसे दर्द हो रहा था, इस पर पुलिस पार्टी महिला अंजू को लेकर अस्पताल पहुंची और फिर एसएसपी द्वारा भेजी गई दो टीमें जंगल में सर्चिंग के लिए उतर गई। पुलिस के पास पहुंचते ही महिला ने थाना प्रभारी ने अंजू की बात उसके पति से कराई। फिर उसे अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने 12 नामजद व 4-5 अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इनमें से 7 बदमाशों का आपराधिक रिकॉर्ड है।

रीना बोली- मुझे मुरैना लेकर जा रहे थे

पुलिस पूछताछ में रीना गुर्जर ने बताया है कि बदमाश योगी गुर्जर और उसके साथी उसे अपहरण करने के बाद मुरैना ले जा रहे थे, लेकिन पुलिस की टीमें उसके पीछे लगी हुई थी। इसलिए वह डर के कारण उसे लंका पहाड़ के जंगलों में छोड़कर अपने साथियों के साथ भाग निकला।

पढ़िए....आरोपी और पीड़ित की कहानी

20 से ज्यादा हथियारबंद साथियों के साथ मिलकर गर्भवती रीना का अपहरण करने वाले मुरैना के मोस्टवांटेड बदमाश योगी उर्फ योगेंद्र गुर्जर की कहानी दो साल पहले शुरू हुई थी। शादी से पहले रीना 2023 में मुरैना में अपने चचेरे चाचा राम सहाय गुर्जर के घर पर बीएड का एग्जाम देने के लिए रह रही थी, तभी उसकी मुलाकात योगी उर्फ योगेंद्र गुर्जर से हुई थी। योगी को रीना एक ही नजर में भा गई थी और वह उससे प्यार करने लगा था। दोनों की नजदीकियां बढ़ती उससे पहले ही रीना के पिता देवेंद्र गुर्जर को इस बात की जानकारी लग गई थी। इसलिए उन्होंने रीना की सगाई गुर्जा गांव निवासी गिर्राज गुर्जर से तय कर दी थी। 13 जुलाई 2024 को रीना की शादी की तारीख तय हो गई थी, लेकिन शादी से ठीक 10 दिन पहले ही बदमाश योगी गुर्जर अपने कुछ साथियों के साथ हथियार लेकर श्योपुर जिले के सेंसईपुरा गांव में रीना के घर जा पहुंचा था। रीना के पिता देवेंद्र को बंदूक की नोक पर धमकाते हुए कहा था कि अगर उसने रीना की शादी उससे नहीं की तो वह उन्हें जान से मार देगा।

पिता ने किया था शादी करने से इनकार

रीना के पिता देवेंद्र ने योगी से बेटी की शादी करने से मना किया तो देवेंद्र और उसके साथियों ने उन्हें धमकाने के लिए घर के बाहर ताबड़तोड़ 100 से ज्यादा गोलियां चलाई थी। घटना के बाद रीना के पिता ने इसकी शिकायत पुलिस को की थी। जिस पर पुलिस ने योगी गुर्जर पर धारा 307 के तहत मुकदमा दर्ज किया था। साथ ही तत्कालीन एसपी ने भी योगी पर 5 हजार का इनाम घोषित किया था। जिस दिन रीना और गिर्राज की शादी थी उस दिन श्योपुर पुलिस उसके घर तैनात थी, क्योंकि टीना के पिता की आशंका थी कि शादी के दौरान योगी कोई भी घटना कर सकता था। रीना का पति पुलिस की निगरानी में दूल्हा बनकर उसके घर बारात लेकर पहुंचा था। इसी बेइज्जती का बदला लेने के लिए योगी काफी दिनों से फिराक में था और वह रीना के पति गिर्राज को जान से मारने की धमकी दे रहा था। इसकी शिकायत गिर्राज ने कई बार थाने पहुंचकर की थी, लेकिन पुलिस ने कोई भी कार्रवाई नहीं की थी। जिसका नतीजा बुधवार रात में हुई घटना के बाद सामने आ गया है। बदमाश योगी गुर्जर पर श्योपुर और मुरैना जिले में कई गंभीर अपराध दर्ज है, जिसमें लूट, डकैती, हत्या, हत्या का प्रयास, जान से मारने की धमकी सहित एक दर्जन से ज्यादा मामले शामिल हैं।

21 साल के प्रेमी की तलाश में मुरैना पहुंची विधवा

थाने के सामने दो घंटे बेहोश पड़ी रही दो बच्चों की मां; परिवार समेत फरार है युवक

न्यूज क्राइम फाइल

फेसबुक पर हुए प्यार में धोखा खाने के बाद उत्तर प्रदेश के चित्रकूट की एक विधवा महिला (34) अपने प्रेमी (21) की तलाश में मुरैना पहुंच गई। गुरुवार देर शाम वह स्टेशन रोड थाने के ठीक सामने करीब 2 घंटे तक बेहोश पड़ी रही, लेकिन पुलिस ने ध्यान नहीं दिया। बाद में लोगों ने पुलिस कंट्रोल में सूचना दी, तब जाकर पुलिस पहुंची और महिला को नारी सुधार गृह भेजा गया है। महिला दो बेटियों

की मां है। यह वही महिला है, जो सितंबर महीने में भी अपने प्रेमी सचिन पचौरी से शादी करने मुरैना आई थी। तब सचिन के परिवार वालों ने शादी के लिए हां कहकर उसे एक होटल में रुकवा दिया था और रात में ही पूरे परिवार सहित घर पर ताला लगाकर भाग गए थे। सुबह जब महिला उनके घर पहुंची तो उसे अपने साथ हुआ धोखा समझ में आया। एक साल पहले चित्रकूट की रहने वाली 34 वर्षीय विधवा महिला की दोस्ती मुरैना के 21 वर्षीय युवक सचिन पचौरी से फेसबुक पर हुई थी। यह दोस्ती प्यार में बदल गई। दोनों चित्रकूट और झांसी के होटलों में भी मिले और शादी का वादा कर साथ रहने लगे। इसी के बाद महिला शादी करने मुरैना आई थी। गुरुवार को जब महिला दोबारा मुरैना पहुंची। वह स्टेशन रोड थाने के सामने ही बेसुध होकर गिर पड़ी। उसके हाथ में कैनुला (ड्रिप लगाने वाली सुई) लगा था, जिससे लग रहा था कि वह बीमार है। एक प्रत्यक्षदर्शी विनोद त्रिपाठी के अनुसार, महिला करीब दो घंटे तक थाने के गेट पर पड़ी रही, लेकिन कोई पुलिसकर्मी बाहर नहीं आया। बाद में कंट्रोल रूम को सूचना दी गई, तब पुलिस पहुंची। पुलिस टीम में कोई महिला स्टाफ भी नहीं था, इसलिए एक राहगीर महिला की मदद से उसे थाने के अंदर ले जाया गया।

पूरा देश विजयादशमी के उत्साह में डूबा है। हर हृदय श्रद्धा और भक्ति से भरकर प्रभु श्रीराम की आराधना कर रहा है। इस अवसर पर अपने संसदीय क्षेत्र के रायसेन में आयोजित कार्यक्रम में सहभागिता की।
शिवराज सिंह चौहान-केंद्रीय कृषि मंत्री

अधिकारियों के नवाचारों के साथ, व्यावहारिक कठिनाइयां भी सुनी गईं कॉन्फ्रेंस में

विचार-विमर्श से जनहित की प्राथमिकताएं होंगी निर्धारित: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

न्यूज क्राइम फाइल

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि नागरिकों के हित में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। जनकल्याण के सभी कार्यों और व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। कलेक्टर्स कान्फ्रेंस नियमित रूप से होगी। अभी 7 और 8 अक्टूबर को संपन्न कॉन्फ्रेंस 8 वर्ष के अंतराल के बाद हुई है। इस कांफ्रेंस को वर्ष में कम से कम एक बार और संभव हो तो दो बार आयोजित किया जाएगा। जनहित प्रथम लक्ष्य है इस नाते छह माह पश्चात यह कॉन्फ्रेंस पुन: होगी। इस कांफ्रेंस में महत्वपूर्ण विषयों पर विचार- विमर्श की प्रक्रिया से प्राथमिकता निर्धारित कर कार्य में आसानी होगी और नागरिकों के लिए व्यवस्थाओं को अधिक बेहतर बनाया जा सकेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विकास और सुदृढ़ कानून व्यवस्था दोनों को पूरा महत्व देने के निर्देश राज्य के प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों को दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में दो दिवसीय कलेक्टर्स कमिश्नर्स कांफ्रेंस के समापन सत्र को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दो दिन के कॉन्फ्रेंस में आठ सत्र संपन्न हुए। सभी 55 जिलों के कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, संभाग के आयुक्त, आईजी और पुलिस आयुक्त कॉन्फ्रेंस में शामिल हुए। पहले दिन पांच सत्र और दूसरे दिन तीन सत्र इस तरह कुल 8 सत्र हुए। इन सत्रों में कानून व्यवस्था, कृषि एवं उद्यानिकी, स्वास्थ्य, औद्योगिक निवेश एवं रोजगार, नगरीय विकास, शिक्षा ग्रामीण विकास, सुशासन एवं जनजातीय विकास जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में विस्तार पूर्वक चर्चा हुई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिले के प्रभारी मंत्री विधानसभा स्तर पर होने वाले सम्मेलनों में हिस्सा लेंगे। शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ जमीनी स्तर पर नागरिकों को आसानी से मिले, इस उद्देश्य से यह सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। सभी जिला कलेक्टर्स को विधानसभावार पांच वर्ष के विकास की दृष्टि से तैयार विजन डॉक्यूमेंट के कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। सभी विधायकों को वीसी सेट की सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही है।

तीन माह और एक वर्ष के लक्ष्य के अनुसार होगा कार्य

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अगले तीन माह एवं एक वर्ष के लिए अलग-अलग लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। अधिकारीगण इसके अनुसार ही कार्य करेंगे। दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस में मैदानी अधिकारियों को जहां अपने जिले में किए गए नवाचार प्रस्तुत करने का अवसर दिया गया वहां उनकी कठिनाइयां भी सुनी गई हैं। फील्ड अधिकारियों के प्रश्नों और समस्याओं का निराकरण वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा किया गया।

विकास समितियां

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य में विकास कार्यों को गति प्रदान करने के लिए जिला स्तर पर विकास समितियां गठित करने की पहल की गई है। इन समितियों में समाज के प्रत्येक वर्ग के विशेषज्ञ प्रतिनिधियों को शामिल करने के निर्देश दिए गए हैं। आने वाले समय में पंचायत, कृषि मंडियों के निर्वाचन भी प्रस्तावित हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कान्फ्रेंस में शिक्षा के क्षेत्र में व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सकल नामांकन दर में वृद्धि की जाए। इसके साथ ही ड्रॉप आउट की दर में कमी की जाए। विशेष रूप से अपर प्राइमरी एवं सेकेंडरी कक्षा में ड्रॉप आउट की दर में कमी आवश्यक है। ई- अटेन्डेंस मॉनिटरिंग एप के माध्यम से शिक्षकों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर स्कूलों को देखने जाएं, छात्रवृत्ति समय पर बंटे। छात्रावासों और आश्रमों तथा आंगनवाड़ी केंद्रों की व्यवस्थाओं पर निरंतर नजर रखी जाए।

वृंदावन ग्रामों के चयन का कार्य एक माह में पूर्ण किया जाए

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश देते हुए कहा कि विजन - 2047 के लक्ष्य के लिए आगामी 5 वर्ष की योजना में कार्यवाही प्रारंभ करें। सभी जिले आगामी एक माह में वृंदावन गांवों का चयन करें। जल जीवन मिशन के अंतर्गत अधूरी योजनाओं को समय-सीमा में पूर्ण किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मिशन के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्र में पेयजल योजनाओं में शीघ्र नल कनेक्शन किए जाएं। जल जीवन मिशन की पूर्ण योजनाएं शीघ्र पंचायत को हस्तांतरित करें। अपूर्ण प्रधानमंत्री आवासों को शीघ्र पूर्ण करवाने और पीएम जनमन के ग्रामों में चिन्हित योजनाओं को शीघ्र पूर्ण करवाने के निर्देश दिए गए। इसी तरह धरती आबा योजना के ग्रामों में शासकीय योजनाओं का गंभीरता से क्रियान्वयन करने और जल गंगा संवर्धन अभियान में किए गए कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अगले जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 की कार्य योजना अभी से तैयार करें। गत वर्ष यह अभियान सफल रहा था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वन अधिकार अधिनियम के अंतर्गत दिसम्बर 2025 तक सभी लंबित व्यक्तिगत एवं सामुदायिक दावों का निराकरण करें। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि किसानों के दुग्ध उत्पादन में वृद्धि द्वारा किसानों और पशुपालकों को समृद्ध बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। प्रदेश में दुग्ध उत्पादन देश के दुग्ध उत्पादन का 9 प्रतिशत है, जिसे 20 प्रतिशत तक बढ़ाने का लक्ष्य है। मध्यप्रदेश को मिल्क कैपिटल बनाने का संकल्प है। पशुपालन का लाभ प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने में भी मिलेगा।

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक उदय प्रताप सिंह चौहान द्वारा कविता ऑफसेट प्रिंटर्स, एमपी नगर जोन -1 भोपाल (म. प्र.) से मुद्रित एवं 1209 पुष्पा नगर चांदबड़, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- उदय प्रताप सिंह चौहान, मो.7223003441 (प्रति सोमवार को प्रकाशित) समाचारों से संपादक का सहमत होना जरूरी नहीं। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।) RNI.NO MPHIN/2015/63623